**भारत सरकार**

**विदेश मंत्रालय**

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या – 933**

दिनांक 24.07.2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

**जी7 शिखर सम्मेलन**

**933. श्री चमाला किरण कुमार रेड्डी:**

**श्री इटेला राजेंदर:**

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या प्रधानमंत्री ने जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेकर ''नई साझेदारियों का निर्माण और अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता का पुनर्स्थापन'' विषय पर विश्व के नेताओं को संबोधित किया और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) हाल ही में प्रधानमंत्री द्वारा ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, स्लोवाक गणराज्य और अन्य देशों सहित विभिन्न देशों की यात्राओं और उसके परिणामों का ब्यौरा क्या है, साथ ही इनमें हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों और इन यात्राओं से भारत को अब तक हुए लाभ का ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**विदेश राज्य मंत्री**

**(श्री पबित्र मार्गेरिटा)**

(क) माननीय प्रधानमंत्री ने 16–17 जून 2026 को फ्रांस में जी7 शिखर सम्मेलन आउटरीच सत्र में भाग लिया और "नई साझेदारियों का निर्माण और अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता का पुनर्स्थापन" विषय पर सत्र सहित तीन आउटरीच सत्रों को संबोधित किया। सत्र में अपने संबोधन में, प्रधानमंत्री ने विश्वास पर आधारित अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी बनाने और संवाद, कूटनीति तथा अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से साझा चुनौतियों का समाधान करने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने समानता, गरिमा और आपसी सम्मान पर आधारित संबंध बनाने का आह्वान किया और भारत की अंतर्राष्ट्रीय पहलों, जैसे अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन, आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन, वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन, मिशन लाइफ और भारत के 'मानवता प्रथम' दृष्टिकोण द्वारा निर्देशित क्षमता निर्माण और कौशल विकास पर केंद्रित विकास साझेदारियों को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री के वक्तव्य का हिंदी अनुवाद **अनुबंध–I** पर संलग्न है।

(ख) माननीय प्रधानमंत्री जी ने हाल ही में फ्रांस (13–18 जून 2026), स्लोवाक गणराज्य (14–15 जून 2026), सेशेल्स (27–29 जून 2026), इंडोनेशिया (06–08 जुलाई 2026), ऑस्ट्रेलिया (08–10 जुलाई 2026) और न्यूजीलैंड (10–11 जुलाई 2026) की यात्रा की। इन यात्राओं के दौरान, भारत की द्विपक्षीय साझेदारियों को और मजबूत करने के लिए कई द्विपक्षीय दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए गए; विवरण **अनुबंध–II** में संलग्न हैं।

**अनुबंध–I**

जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री के वक्तव्य का हिंदी अनुवाद – आउटरीच सत्र: नई साझेदारियों का निर्माण और अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता का पुनर्स्थापन (16 जून, 2026)

**राष्ट्रपति मैक्रों**

**महामहिम**

**नमस्कार!**

मैं जी–7 शिखर सम्मेलन में गर्मजोशी से भरे स्वागत और आतिथ्य के लिए राष्ट्रपति मैक्रों का तहे दिल से धन्यवाद करता हूँ।

**मित्रो,**

आज की दुनिया पहले से कहीं अधिक परस्पर जुड़ी और एक–दूसरे पर निर्भर है। किसी देश की ऊर्जा सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और आर्थिक सुरक्षा अब केवल उसकी सीमाओं के भीतर होने वाली घटनाओं पर निर्भर नहीं नहीं करती। गतिशीलता, डाटा, धन और प्रौद्योगिकी, ये सभी हमें एक साथ जोड़ते हैं।

ऐसे समय में मजबूत साझेदारियाँ और भी महत्वपूर्ण हो जाती हैं। लेकिन साझेदारियाँ तभी सफल हो सकती हैं जब वे विश्वास पर आधारित हों। आज सबसे रणनीतिक संपत्ति खनिज, प्रौद्योगिकी या बाजार नहीं है – यह आपसी विश्वास है।

यह विश्वास कि प्रौद्योगिकी और आपूर्ति श्रृंखलाओं का उपयोग वैश्विक भलाई के लिए किया जाएगा, हथियारों के रूप में नहीं। यह विश्वास कि विकास के अवसर केवल कुछ देशों तक सीमित नहीं रहेंगे। यह विश्वास कि वैश्विक संस्थान सभी देशों की आकांक्षाओं को पूरा करेंगे।

**मित्रो,**

पिछली शताब्दी में मानवता को दो विश्व युद्धों से गुजरना पड़ा था। कई बलिदानों के बाद, वैश्विक समुदाय ने शांति, स्थिरता और समृद्धि की ओर बढ़ने के लिए प्रणालियाँ विकसित कीं। इन व्यवस्थाओं का आधार भी विश्वास ही था।

लेकिन, दशकों में और कई पीढ़ियों के योगदान से बना विश्वास आज खतरे में है। कोविड–19 ने उजागर कर दिया कि विश्वास और एकजुटता के दावे अक्सर लोगों के विश्वास से कमजोर थे।

आज दुनिया संसाधनों की कमी से नहीं जूझ रही; यह विश्वास की कमी से जूझ रही है। और हमारी साझेदारियों का भविष्य इसी विश्वास के निर्माण पर निर्भर करता है।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने एक बार कहा था, "विश्वास करें, लेकिन सत्यापित कर लें।" यह संदेश आज भी प्रासंगिक है। नई सदी की जरूरतों के अनुकूल एक विश्वसनीय, नियम–आधारित वैश्विक व्यवस्था का निर्माण करना भावी पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी है।

**मित्रो,**

भारत का हमेशा से मानना रहा है कि पूरा विश्व एक परिवार है। हमारे कार्य "सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय" के सिद्धांत से निर्देशित होते हैं जिसका अर्थ है सभी का कल्याण और सुख।

भारत की विकास यात्रा ने हमें सिखाया है कि प्रगति तब सबसे सार्थक होती है जब यह लोगों की आकांक्षाओं से संचालित होती है। यह सिद्धांत हमारी अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियों को भी आकार देता है। इस दृष्टिकोण से निर्देशित होकर, भारत ने अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन, आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन, वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन, मिशन लाइफ और "एक पेड़ मां के नाम" सहित कई वैश्विक पहलों का नेतृत्व किया है।

भारत ने हमेशा संकट के समय फर्स्ट रिस्पॉन्डर (प्रथम सहायता प्रदाता) के रूप में देशों की मदद करना अपना कर्तव्य माना है। कोविड–19 महामारी के दौरान, भारत ने 150 से अधिक देशों को दवाओं और टीकों की आपूर्ति की।

चाहे श्रीलंका में चक्रवात हो, अफगानिस्तान में भूकंप हो, मोजांबिक में बाढ़ हो, या क्यूबा और जमैका में तूफान हो, भारत ने हमेशा "मानवता प्रथम" दृष्टिकोण के साथ सहायता प्रदान की है। यही भावना हमारी विकास साझेदारियों को निर्देशित करती है, जो भागीदार देशों में क्षमता निर्माण और कौशल विकास पर केंद्रित हैं।

भारत का मानना है कि साझेदारी की सच्ची परीक्षा वह नहीं है कि हम दूसरों के लिए बनाते हैं, बल्कि वह है कि हम दूसरों को खुद अपने लिए निर्माण करने में कितना सक्षम बनाते हैं।

**मित्रो,**

आज, ग्लोबल साउथ के देशों को अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से बड़ी उम्मीदें हैं। तथापि, वे केवल सहायता या समर्थन की तलाश में नहीं हैं, वे वास्तविक साझेदारी चाहते हैं। वे वैश्विक विकास में योगदान देना और भाग लेना चाहते हैं, न कि केवल इसके लाभ प्राप्त करना चाहते हैं।

हमें पारंपरिक दाता–प्राप्तकर्ता दृष्टिकोण से आगे बढ़ना चाहिए और समानता पर आधारित संबंध बनाने चाहिए। एक–दूसरे के साथ केवल काम करने के बजाय, हमें साझा लक्ष्यों के लिए मिलकर काम करना चाहिए। हमारी साझेदारियां गरिमा और आपसी सम्मान पर आधारित होनी चाहिए, निर्भरता पर नहीं। ऐसा करके हम भावी पीढ़ियों के सतत विकास के लिए एक मजबूत नींव रख सकते हैं।

**मित्रो,**

अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियाँ और वैश्विक एकजुटता तभी सार्थक हो सकती हैं जब हम साझा चुनौतियों से निपटने के लिए मिलकर काम करें। भारत का दृढ़ विश्वास है कि विश्व के विभिन्न भागों में जारी तनावों और संघर्षों का स्थायी समाधान केवल संवाद, कूटनीति और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से ही संभव है।

हम पश्चिम एशिया में शांति की ओर हो रही प्रगति का स्वागत करते हैं। इस संघर्ष के कारण इस क्षेत्र में स्थित हमारे मित्र देशों में जन–धन की भारी हानि हुई है। होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से होने वाले समुद्री व्यापार में व्यवधान ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित किया है। कई भारतीय नागरिकों ने अपनी जान गंवाई। वैश्विक समुद्री व्यापार के माध्यम से देशों को जोड़ने वाले नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि समुद्री मार्ग सुरक्षित रहें और नाविक बिना किसी डर के अपने कर्तव्यों का पालन कर सकें।

**मित्रो,**

भारत इन मुद्दों पर अपने सभी सहयोगियों के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार है।

आप सभी का बहुत–बहुत धन्यवाद।

**एवियन**

**16 जून, 2026**

**अस्वीकरण – यह प्रधानमंत्री के वक्तव्य का एक अनुमानित अनुवाद है। मूल वक्तव्य हिंदी में दिया गया था।**

प्रधानमंत्री ने फ्रांस में जी7 शिखर सम्मेलन में "नई साझेदारियों का निर्माण और अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता का पुनर्स्थापन" सत्र को संबोधित किया (16 जून, 2026)

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज फ्रांस के एवियन में जी7 शिखर सम्मेलन में 'नई साझेदारियों का निर्माण और अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता का पुनर्स्थापन' विषय पर आउटरीच सत्र को संबोधित किया। अपने संबोधन में, प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि एक परस्पर जुड़ी दुनिया में, जहां ऊर्जा, भोजन, स्वास्थ्य, साइबर और आर्थिक सुरक्षा आपस में जुड़े हुए हैं, मानवता की प्रगति और समृद्धि के लिए अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी का निर्माण एक आवश्यकता थी। उन्होंने आगे कहा कि, एक अनिश्चित दुनिया में, संकीर्ण हितों के लिए व्यापार और प्रौद्योगिकी का दुरुपयोग किया जा रहा था, जिससे अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में विश्वास की कमी पैदा हो रही थी। कोविड महामारी से मिली सीख का हवाला देते हुए, उन्होंने राष्ट्रों से वैश्विक साझेदारियों में विश्वास और पारदर्शिता बनाने पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया।

3. अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के प्रति भारत के दृष्टिकोण को साझा करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने हमेशा "मानवता प्रथम" के सिद्धांत का पालन किया है, और यह विचार उसके प्रयासों के केंद्र में बना हुआ है, चाहे वह अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन, आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन, वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन, मिशन लाइफ या 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत कार्रवाई करना हो। उन्होंने आगे कहा कि इस समावेशी दृष्टिकोण के कारण भारत दुनिया के विभिन्न हिस्सों में प्राकृतिक आपदाएं आने पर पहला सहायता प्रदाता (फर्स्ट रिस्पॉन्डर) बना है – चाहे वह श्रीलंका में चक्रवात हो, अफगानिस्तान में भूकंप हो, मोजांबिक में बाढ़ हो या जमैका में तूफान हो।

4. भारत के समावेशी और सतत विकास के बारे में बोलते हुए, प्रधानमंत्री ने विस्तार से बताया कि "सर्व जन हिताय, सर्व जन सुखाय" के इसके मंत्र ने वित्तीय समावेशन, स्वास्थ्य सुरक्षा, डिजिटल पहचान, लोगों के प्रौद्योगिकी–संचालित सशक्तिकरण और महिला–नेतृत्व वाले विकास को बढ़ावा देने में प्रशंसनीय परिणाम दिए हैं।

5. प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियों को दाता–प्राप्तकर्ता प्रतिमान (पारंपरिक ढांचे) से आगे बढ़कर एकजुटता और समान स्वामित्व की ओर बढ़ना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अंतर्राष्ट्रीय कानून के प्रति सम्मान की कमी अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता के निर्माण में सबसे बड़ी बाधा थी, और इसे प्राथमिकता के आधार पर दूर करने की आवश्यकता थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियों को शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए

संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री की पूरी टिप्पणी यहाँ [लिंक] देखी जा सकती है।

एवियन

16 जून 2026

**अनुबंध–II**

**क. फ्रांस: माननीय प्रधानमंत्री जी ने 13–18 जून 2026 तक फ्रांस की यात्रा की। इस यात्रा के दौरान मुख्य परिणाम और संपन्न दस्तावेज निम्नलिखित हैं:**

| क्र. सं. | शीर्षक | भारत को लाभ |
|---|---|---|
| 1. | भारत–फ्रांस नवाचार रोडमैप 2030 को अपनाना | महत्वपूर्ण और उभरती हुई तकनीक, एआई ( और स्टार्ट–अप तथा इनक्यूबेटर पारिस्थितिकी तंत्र में सहयोग को गहरा करता है। शैक्षणिक आवाजाही और उद्योग–अकादमिक संबंधों को बढ़ावा देता है। वैश्विक चुनौतियों के लिए संयुक्त समाधानों के विकास को गति देता है। |
| 2. | एआई प्रशासन पर केंद्रित एक संयुक्त भारत–फ्रांस एआई कार्य समूह का गठन | एआई पहलों के लिए एक संरचित द्विपक्षीय तंत्र का निर्माण करता है। संयुक्त आरएंडडी क्षमता निर्माण, शैक्षणिक और उद्योग आदान–प्रदान का समर्थन करता है। स्टार्ट–अप संपर्कों और नवाचार को बढ़ावा देता है। |
| 3. | एनएसटीआई , कानपुर में वैमानिकी और संबद्ध क्षेत्रों में कौशल विकास के लिए एक राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना पर सहमति पत्र | विमानन और एयरोस्पेस क्षेत्रों में कौशल, संस्थागत संपर्कों और अनुसंधान का समर्थन करता है। विनिर्माण और एमआरओ के लिए कार्यबल की तैयारी को मजबूत करता है। |
| 4. | फ्रांस में भारत की वास्तविक समय भुगतान प्रणाली – एकीकृत भुगतान इंटरफेस का उपयोग करने की विस्तारित संभावनाएं | यूरोप में भारत के डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना पदचिह्न को मजबूत करता है। भारतीय पर्यटकों, छात्रों, प्रवासी भारतीयों, व्यापारिक यात्रियों और आधिकारिक प्रतिनिधिमंडलों के लिए भुगतान अनुभव में सुधार करता है। यूरोप में भारत के सुरक्षित, कम लागत वाले और स्केलेबल डिजिटल भुगतान मॉडल को प्रदर्शित करता है। |

| क्र. सं. | शीर्षक | भारत को लाभ |
|---|---|---|
| 5. | स्टेशन एफ में अतिरिक्त 10 भारतीय स्टार्ट–अप्स का इन्क्यूबेशन | भारतीय स्टार्ट–अप्स को फ्रांसीसी मेंटर्स, निवेशकों, कॉरपोरेट और बाजार नेटवर्क तक पहुंच के साथ यूरोप में एक संरचित लैंडिंग प्लेटफॉर्म प्रदान करता है। |
| 6. | विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और इंस्टीट्यूट नेशनल डी रीचर्चे एन साइंसेज एट टेक्नोलॉजीज डू न्यूमेरिक  के बीच डिजिटल विज्ञान केंद्र की स्थापना | भारतीय शोधकर्ताओं और स्टार्ट–अप्स को अग्रणी फ्रांसीसी विशेषज्ञता तक पहुंच प्रदान करके भारत के अनुसंधान और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करता है। भारत की डिजिटल परिवर्तन प्राथमिकताओं के अनुरूप क्षेत्रों में क्षमता निर्माण, संयुक्त आरएंडडी, प्रतिभा गतिशीलता और प्रौद्योगिकी विकास का समर्थन करता है। |
| 7. | यूनिवर्सिट पेरिस–सैकले में "एआई, इनोवेशन एंड कल्चर" पर आईसीसीआर इंडिया चेयर की स्थापना | भारत–फ्रांस शैक्षणिक और सांस्कृतिक सहयोग को मजबूत करता है। एआई, नवाचार और संस्कृति पर शिक्षण और अनुसंधान को बढ़ावा देता है। शैक्षणिक आदान–प्रदान और ज्ञान साझाकरण को सुगम बनाता है। |
| 8. | भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद और फ्रांस के हेल्थ डेटा हब के बीच आशय पत्र | भारत को अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य डेटा सहयोग के लिए सहमति–आधारित और गोपनीयता–संरक्षण मॉडल के रूप में डीईपीए को स्थापित करने में सक्षम बनाता है। स्वास्थ्य डेटा प्रशासन में संस्थागत क्षमता का निर्माण करने में मदद करता है। एआई–संचालित चिकित्सा अनुसंधान का समर्थन करता है। सुरक्षित स्वास्थ्य डेटा पायलटों के लिए एक स्केलेबल रूपरेखा तैयार करता है। |
| 9. | अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने के लक्ष्य को महसूस | द्विपक्षीय व्यापार वृद्धि की निगरानी और गति देने के लिए एक उच्च स्तरीय वार्षिक मंच प्रदान करता है। क्षेत्रीय चुनौतियों का समाधान करता है और आर्थिक सहयोग के नए क्षेत्रों की पहचान करता है। |

| क्र. सं. | शीर्षक | भारत को लाभ |
|---|---|---|
| | करने के लिए उच्च स्तरीय तंत्र की स्थापना | आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण और मजबूत उद्योग संपर्कों का समर्थन करता है। |
| 10. | आर्थिक सुरक्षा संवाद की स्थापना | महत्वपूर्ण खनिजों, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी और ऊर्जा सहित रणनीतिक क्षेत्रों में भारत–फ्रांस सहयोग को आगे बढ़ाने में सुविधा प्रदान करता है। भारत के आर्थिक लचीलेपन और रणनीतिक स्वायत्तता को मजबूत करता है। |
| 11. | भारत में रेलवे और हाई–स्पीड रेलवे विकास पर सहयोग का इरादा घोषणा पत्र | भारत के रेलवे आधुनिकीकरण और हाई–स्पीड रेल महत्वाकांक्षाओं का समर्थन करता है। सुदृढ़ रेलवे निर्माण आपूर्ति श्रृंखलाओं को बढ़ावा देने में मदद करता है। गतिशक्ति विश्व विद्यालय और फ्रांसीसी औद्योगिक शैक्षणिक भागीदारों जैसे संस्थानों के साथ सहयोग के माध्यम से क्षमता निर्माण करता है। |
| 12. | वर्गीकृत सूचनाओं के आदान–प्रदान और संरक्षण पर सामान्य सुरक्षा समझौता | एक कानूनी ढांचा प्रदान करके भारत और फ्रांस के बीच सुरक्षित तरीके से सूचनाओं के आदान–प्रदान की अनुमति देता है। रणनीतिक क्षेत्रों में भारत–फ्रांस सहयोग को बढ़ाता है और भारत–फ्रांस रक्षा औद्योगिक सहयोग एवं 'मेक–इन–इंडिया' परियोजनाओं को बढ़ावा देता है। भारत–फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करता है। |
| 13. | सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण अनुसंधान और मानव अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में सहयोग से संबंधित इसरो और सीएनईएस के बीच आशय पत्र | सूक्ष्म–गुरुत्वाकर्षण अनुसंधान और मानव अनुसंधान अध्ययनों के क्षेत्र में इसरो और सीएनईएस के बीच सहयोग को मजबूत करता है। गगनयान – मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम और नियोजित भविष्य के भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए भारत की विशेषज्ञता को मजबूत करता है। मानव अंतरिक्ष उड़ान और अंतरिक्ष अनुसंधान पहलों में भारत–फ्रांस सहयोग को आगे बढ़ाने |

| क्र. सं. | शीर्षक | भारत को लाभ |
|---|---|---|
| | | में सहायता करता है। |

**ख. स्लोवाक गणराज्य: माननीय प्रधानमंत्री जी ने 14–15 जून, 2026 तक स्लोवाक गणराज्य की राजकीय यात्रा की। यात्रा के दौरान मुख्य परिणाम और संपन्न दस्तावेज निम्नलिखित हैं:**

| क्र. सं. | शीर्षक | भारत को लाभ |
|---|---|---|
| 1. | श्रम प्रवास के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता ज्ञापन | प्रतिभा आवाजाही को बढ़ावा देना और स्लोवाकिया में भारतीय श्रमिकों का सुरक्षित और कानूनी प्रवास सुनिश्चित करना। |
| 2. | डिजिटल प्रौद्योगिकियों पर समझौता ज्ञापन | डिजिटल क्षेत्र में मजबूत भारत–स्लोवाकिया सहयोग को सुगम बनाता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, हाई–परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग और इंटरनेट ऑफ थिंग्स में अधिक सहयोग को बढ़ावा देता है। भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल पब्लिक गुड्स को बढ़ावा देता है। |
| 3. | उच्च शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता ज्ञापन | उच्च शिक्षा में मजबूत संस्थागत संपर्कों को सुगम बनाता है। संयुक्त अनुसंधान और शैक्षणिक आदान–प्रदान को बढ़ाता है। उच्च शिक्षा में ज्ञान, विशेषज्ञता और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने की सुविधा प्रदान करता है। |
| 4. | ऑडियो–विजुअल सह–उत्पादन पर समझौता ज्ञापन | दृश्य–श्रव्य (ऑडियो–विजुअल) क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाता है। फिल्मों के सह–उत्पादन को बढ़ावा देता है और सुगम बनाता है। सांस्कृतिक और आर्थिक आदान–प्रदान को बढ़ावा देता है। |

| क्र. सं. | शीर्षक | भारत को लाभ |
|---|---|---|
| 5. | कोसिसे के तकनीकी विश्वविद्यालय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में पहली बार आईसीसीआर चेयर की स्थापना | डिजिटल नवाचार और उभरती प्रौद्योगिकियों में भारतीय विशेषज्ञता को बढ़ावा देता है। भारत को एक वैश्विक ज्ञान और प्रौद्योगिकी भागीदार के रूप में स्थापित करता है। |
| 6. | रक्षा क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने वाला आशय पत्र | भारतीय रक्षा निर्यात के लिए अधिक अवसरों का लक्ष्य रखता है। मजबूत रक्षा उद्योग और प्रशिक्षण सहयोग को बढ़ावा देता है। मानवीय सहायता और आपदा राहत और संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में बढ़ा हुआ सहयोग सुनिश्चित करता है। |
| 7. | क्वांटम संचार और महत्वपूर्ण अवसंरचना संरक्षण के क्षेत्र में समझौता ज्ञापन | क्वांटम संचार और साइबर सुरक्षा में मजबूत सहयोग का लक्ष्य रखता है। पोस्ट–क्वांटम क्रिप्टोग्राफी में भारत की विशेषज्ञता को बढ़ावा देता है। महत्वपूर्ण सूचना अवसंरचना के संरक्षण का लक्ष्य रखता है। |
| 8. | राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान (पॉजिटिव पुणे), आयुष मंत्रालय और स्लोवाक हेल्थ स्पा पीस्टैनी के बीच समझौता ज्ञापन | पारंपरिक चिकित्सा अनुसंधान में मजबूत सहयोग का लक्ष्य रखता है। आधुनिक बाल्नोलॉजी के साथ भारतीय चिकित्सा के एकीकरण को बढ़ावा देता है। भारत की पारंपरिक स्वास्थ्य प्रणालियों को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता दिलाता है। |

**ग. सेशेल्स: माननीय प्रधानमंत्री जी ने भारत और सेशेल्स के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर सेशेल्स की स्वतंत्रता के स्वर्ण जयंती समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए 27 से 29 जून 2026 तक सेशेल्स की राजकीय यात्रा की। यात्रा के दौरान, मुख्य परिणामों में शामिल हैं: i) सेशेल्स सरकार को फास्ट गश्ती पोत 'पीएस लेस्पवार' उपहार में देना; ii) सेशेल्स रक्षा बल को 10 उपयोगिता वाहन और लेजर रेडियल वर्ग नौकाओं के 5 सेट सौंपना; iii) सेशेल्स सरकार को 6 एम्बुलेंस सौंपना; iv) सेशेल्स सरकार को 500 मीट्रिक टन चावल सौंपना; v) सेशेल्स सरकार को 8500 मीट्रिक टन सीमेंट सौंपना; vi) व्यावसायिक तकनीकी शिक्षा केंद्र का वर्चुअल भूमिपूजन समारोह; vii) सेशेल्स तटरक्षक बल के लिए पीएस जोरास्टर का रिफिट पूरा होना; viii) भारत और सेशेल्स के बीच 50 वर्षों के राजनयिक संबंधों का प्रतीक स्मारक लोगो का शुभारंभ; और ix) सेशेल्स का आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन (CDRI) में शामिल होना। यात्रा के दौरान संपन्न मुख्य परिणाम और दस्तावेज निम्नलिखित हैं:**

| क्र. सं. | शीर्षक | भारत को लाभ |
|---|---|---|
| 1. | सुषमा स्वराज विदेश सेवा संस्थान और सेशेल्स गणराज्य के विदेश मामलों और डायस्पोरा मंत्रालय के बीच समझौता ज्ञापन | आदान–प्रदान, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और क्षमता निर्माण के माध्यम से एमओएफएडी , सेशेल्स और सुषमा स्वराज विदेश सेवा संस्थान के बीच संस्थागत सहयोग को सुगम बनाता है। |
| 2. | एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड और सेशेल्स के केंद्रीय बैंक के बीच समझौता ज्ञापन | सेशेल्स में यूपीआई डिजिटल भुगतान अवसंरचना की तैनाती को सुगम बनाता है, और भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र में व्यापक सहयोग के रास्तों की पहचान करता है। |
| 3. | जनऔषधि योजना के तहत मेसर्स एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड और सेशेल्स गणराज्य के स्वास्थ्य मंत्रालय के बीच | जनऔषधि योजना के तहत भारत से सेशेल्स को सस्ती जेनेरिक दवाओं और चिकित्सा आपूर्ति के निर्यात की सुविधा प्रदान करता है। |

| क्र. सं. | शीर्षक | भारत को लाभ |
|---|---|---|
| | समझौता | |
| 4. | भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और मत्स्य पालन, कृषि और ब्लू इकोनॉमी मंत्रालय के कृषि विभाग, सेशेल्स के बीच कृषि अनुसंधान और शिक्षा में सहयोग हेतु समझौता ज्ञापन और 2026–2031 के लिए कार्य योजना | संयुक्त अनुसंधान, प्रशिक्षण और तकनीकी अध्ययन के क्षेत्रों में आईसीएआर और सेशेल्स कृषि विभाग के बीच घनिष्ठ सहयोग को बढ़ावा देता है। |
| 5. | भारत गणराज्य और सेशेल्स गणराज्य के बीच प्रत्यर्पण संधि | सीमा पार अपराधों से निपटने में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने और दोनों देशों के बीच भगोडों के प्रत्यर्पण के लिए कानूनी रूपरेखा को बढ़ाने का लक्ष्य रखता है। |
| 6. | सेशेल्स झंडे वाले जहाजों पर सेवा के लिए नाविकों के प्रशिक्षण और प्रमाणन की मान्यता पर सेशेल्स के परिवहन, बंदरगाह और नागरिक उड्डयन मंत्रालय तथा भारत के बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्रालय के बीच समझौता ज्ञापन | सेशेल्स के झंडे वाले जहाजों पर सेवा के लिए भारतीय नाविकों के प्रशिक्षण और प्रमाणन की मान्यता को सुगम बनाता है। |

| क्र. सं. | शीर्षक | भारत को लाभ |
|---|---|---|
| 7. | सेशेल्स सरकार और भारतीय निर्यात–आयात बैंक (एक्सिम बैंक) के बीच अम्ब्रेला लाइन ऑफ क्रेडिट समझौता | फरवरी 2026 में राष्ट्रपति हर्मिनी की यात्रा के दौरान घोषित विशेष आर्थिक पैकेज के तहत परियोजनाओं के कार्यान्वयन का समर्थन करना। सेशेल्स में प्राथमिकता वाले अवसंरचना और विकास पहलों को आगे बढ़ाना। |
| 8. | भारत गणराज्य की सरकार और सेशेल्स गणराज्य की सरकार के बीच बाहरी अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए खोज और उपयोग में सहयोग पर समझौता ज्ञापन | उपग्रह अनुप्रयोगों, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और क्षमता निर्माण में सहयोग को मजबूत करने का लक्ष्य रखता है। |
| 9. | भारत गणराज्य की सरकार और सेशेल्स गणराज्य की सरकार के बीच नए सेशेल्स राष्ट्रीय अस्पताल के प्रारंभिक तैयारियों पर समझौता ज्ञापन | नए सेशेल्स राष्ट्रीय अस्पताल के विकास के लिए द्विपक्षीय सहयोग के लिए एक ढांचा स्थापित करता है। |

**घ. इंडोनेशिया: माननीय प्रधानमंत्री जी ने 6–8 जुलाई 2026 तक इंडोनेशिया की राजकीय यात्रा की। इस यात्रा के दौरान मुख्य परिणाम और संपन्न दस्तावेज निम्नलिखित हैं:**

| क्र. सं. | शीर्षक | भारत को लाभ |
|---|---|---|
| 1. | समुद्री सुरक्षा और संरक्षा सहयोग पर समझौता ज्ञापन और कार्यान्वयन व्यवस्था का विस्तार | दोनों देशों के तटरक्षकों के बीच सहयोग को मजबूत करता है। समुद्री डोमेन जागरूकता, खोज और बचाव तथा क्षमता निर्माण में समन्वय में सुधार करता है। भारत–प्रशांत क्षेत्र में नेविगेशन की सुरक्षा और स्वतंत्रता को बढ़ावा देता है। |
| 2. | आईएफसी–आईओआर में इंडोनेशियाई संपर्क अधिकारी की तैनाती | वास्तविक समय में समुद्री सूचना साझाकरण को बढ़ाता है। भारत–प्रशांत क्षेत्र में द्विपक्षीय समुद्री सुरक्षा सहयोग को मजबूत करता है। |
| 3. | ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली पर सहयोग | भारतीय रक्षा उद्योग की क्षमता को प्रदर्शित करता है। आत्मनिर्भर भारत को मजबूत करता है और स्वदेशी रक्षा विनिर्माण को बढ़ावा देता है। नवाचार, वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता और निर्यात को बढ़ावा देता है। |
| 4. | हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल सहयोग समझौता | भारत के रक्षा निर्यात और दुनिया के लिए 'मेक–इन–इंडिया' को बढ़ावा देता है। प्रौद्योगिकी सहयोग और रक्षा क्षमताओं को बढ़ाता है। भारत के स्वदेशी मिसाइल विकास पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करता है। |
| 5. | खनिज और इस्पात आपूर्ति श्रृंखला की प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में | खनिज और खनन क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देता है। उन्नत निष्कर्षण और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों तक पहुंच में सुधार करता है। संयुक्त |

| क्र. सं. | शीर्षक | भारत को लाभ |
|---|---|---|
| | सहयोग पर समझौता ज्ञापन | अध्ययनों और परियोजनाओं को प्रोत्साहित करता है। महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करता है। |
| 6. | इंडोनेशिया में स्टेनलेस–स्टील स्लैब निर्माण सुविधा की स्थापना के लिए स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया और पीटी क्रैकटाउ स्टील के बीच रणनीतिक संयुक्त उद्यम | संयुक्त उत्पादन और प्रौद्योगिकी तक पहुंच को बढ़ावा देता है। विशेष रूप से हमारे युवाओं के लिए रोजगार सृजन को बढ़ावा देता है। औद्योगिक विकास और विकसित भारत के लक्ष्यों में योगदान देता है। |
| 7. | दुर्लभ मृदा (रेयर अर्थ) मैग्नेट के विकास पर नॉन–फेरस मैटेरियल्स टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट सेंटर , मिडवेस्ट लिमिटेड और पीटी परमिनास के बीच समझौता ज्ञापन | रेयर अर्थ और महत्वपूर्ण खनिजों में सहयोग को सुगम बनाता है। रेयर अर्थ और महत्वपूर्ण खनिजों में आपूर्ति श्रृंखला के विविधीकरण को बढ़ावा देता है। |
| 8. | राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी, इंडोनेशिया के बीच समझौता ज्ञापन | आपदा प्रबंधन में सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने की सुविधा प्रदान करता है। त्वरित चेतावनी और जोखिम मूल्यांकन के लिए तकनीक–आधारित अनुप्रयोगों के उपयोग को बढ़ावा देता है। आपदा प्रतिक्रिया और बहाली में समन्वय में सुधार करता है। |

**ङ. ऑस्ट्रेलिया: माननीय प्रधानमंत्री जी ने 08–10 जुलाई, 2026 तक ऑस्ट्रेलिया की यात्रा की। इस यात्रा के दौरान मुख्य परिणाम और संपन्न दस्तावेज निम्नलिखित हैं:**

| क्र. सं. | शीर्षक | भारत को लाभ |
|---|---|---|
| 1. | रक्षा और सुरक्षा सहयोग पर संयुक्त घोषणा | रक्षा नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र और रक्षा उद्योग के बीच सहयोग को बढ़ावा देता है। सूचना साझाकरण को बढ़ावा देता है। मानवीय सहायता और आपदा राहत में सहयोग को गहरा करता है। |
| 2. | समुद्री सुरक्षा सहयोग रोडमैप | सूचना साझाकरण और क्षमता विकास को बढ़ावा देता है। अधिक परिचालन समन्वय को सुगम बनाता है। एचएडीआर , प्रदूषण प्रतिक्रिया और खोज एवं बचाव अभियानों में सहयोग को मजबूत करता है। |
| 3. | ऊर्जा सुरक्षा पर भारत–ऑस्ट्रेलिया संयुक्त बयान | समन्वित तटीय निगरानी की सुविधा प्रदान करता है। समुद्री डोमेन जागरूकता गतिविधियों में समन्वय को बढ़ावा देता है। समुद्री कानून प्रवर्तन को मजबूत करता है। |
| 4. | भारत–ऑस्ट्रेलिया नागरिक परमाणु समझौते की प्रशासनिक व्यवस्था को अंतिम रूप देना | ऑस्ट्रेलिया से भारत को यूरेनियम की आपूर्ति की सुविधा प्रदान करता है। ऊर्जा स्रोतों के विविधीकरण को बढ़ावा देता है। भारत की ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ावा देता है। |
| 5. | साइबर, क्रिटिकल टेक्नोलॉजीज, सप्लाई चेन के लिए ऑस्ट्रेलिया–भारत साझेदारी | राष्ट्रीय और क्षेत्रीय सुरक्षा का समर्थन करने का लक्ष्य रखता है। महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक लचीला बनाने के लिए सहयोग को बढ़ावा देता है। महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों, साइबर सुरक्षा और डिजिटल लचीलेपन में सहयोग को मजबूत करता है। सहयोग के प्रत्येक स्तंभ के तहत सहयोग के लिए विशिष्ट |

| क्र. सं. | शीर्षक | भारत को लाभ |
|---|---|---|
| | | परियोजनाओं की पहचान की सुविधा प्रदान करता है। |
| 6. | भारत–ऑस्ट्रेलिया खेल सहयोग रोडमैप | भारत में उच्च प्रदर्शन वाले खेल केंद्रों की स्थापना और संचालन को बढ़ावा देता है। ओलंपिक और राष्ट्रमंडल खेलों जैसे प्रमुख खेल आयोजनों के लिए अनुभव साझा करने को बढ़ावा देता है। पैरा खेलों को एक प्रमुख प्राथमिकता के रूप में पहचानता है। स्पोर्ट इंटीग्रिटी ऑस्ट्रेलिया और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी भारत के बीच सहयोग को बढ़ावा देता है। ऑस्ट्रेलिया को खेल सामानों के भारतीय निर्यात को बढ़ावा देता है। |
| 7. | भारतीय तटरक्षक बल और ऑस्ट्रेलिया के मैरीटाइम बॉर्डर कमांड के बीच समझौता ज्ञापन | समन्वित तटीय निगरानी की सुविधा प्रदान करता है। समुद्री डोमेन जागरूकता गतिविधियों में समन्वय को बढ़ावा देता है। समुद्री कानून प्रवर्तन को मजबूत करता है। |
| 8. | 2028–29 के लिए ऑस्ट्रेलियाई रक्षा कॉलेज में एक भारतीय सैन्य प्रशिक्षक के लिए ऑस्ट्रेलियाई निमंत्रण | पेशेवर सैन्य जुड़ाव को मजबूत करता है। ज्ञान के आदान–प्रदान को सुगम बनाता है। |
| 9. | खनन और खनन उपकरण, प्रौद्योगिकी और सेवाएं में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के लिए कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय और पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया सरकार के तकनीकी एवं आगे की शिक्षा के बीच समझौता ज्ञापन | राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान , भुवनेश्वर में खनन उपकरण, प्रौद्योगिकी और सेवाओं में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की सुविधा प्रदान करता है। खनन परिचालन, खान सुरक्षा, खनिज प्रसंस्करण, खान मशीनरी आदि के उप–डोमेन में अकादमिक उत्कृष्टता का केंद्र विकसित करने में सहायता करता है। राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र और टीएएफई , पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के बीच छात्रों/प्रशिक्षुओं के आदान–प्रदान को सक्षम बनाता है। |

| क्र. सं. | शीर्षक | भारत को लाभ |
|---|---|---|
| 10. | भारत (बेंगलुरु) में अपना परिसर स्थापित करने के लिए फ्लिंडर्स विश्वविद्यालय को आशय पत्र (LoI) सौंपना | भारत में अपना परिसर स्थापित करने की अनुमति देता है। भारत में छात्रों के लिए अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा अवसंरचना लाता है। भारत–ऑस्ट्रेलिया शैक्षिक साझेदारी को और बढ़ाता है। |
| 11. | राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद और ऑस्ट्रेलियाई कौशल गुणवत्ता प्राधिकरण के बीच आशय पत्र पर हस्ताक्षर | व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रणालियों में नियामक ढांचे को मजबूत करता है। प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में व्यावसायिक मानकों के सह–विकास और संरेखण को बढ़ावा देता है। अधिकारियों के क्षमता निर्माण, कर्मचारियों के आदान–प्रदान, संयुक्त कार्यशालाओं/अनुसंधान गतिविधियों को सक्षम बनाता है। |
| 12. | भारतीय कलाकृतियों की वापसी | 3 भारतीय प्राचीन वस्तुओं को वापस लाता है जिनमें शामिल हैं: 1. नंदी, शिव का वाहन [विवरण: तमिलनाडु, भारत, 11वीं से 12वीं सदी का ग्रेनाइट]; 2. शुभ काली के साथ त्रिशूल [भद्रकाली] [विवरण: तमिलनाडु, भारत, 11वीं सदी का कांस्य]; 3. छह सिर वाले स्कंद (कार्तिकेय) [विवरण: तमिलनाडु, भारत, 12वीं सदी का बेसाल्ट]। |
| 13. | रूफटॉप सोलर ट्रेनिंग अकादमी का संचालन | सौर तकनीशियनों/स्थापित करने वालों/सहायकों के रूप में 2000 महिलाओं और युवाओं के प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान करता है। जनवरी 2024 में माननीय प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई पीएम सूर्य घर योजना का समर्थन करता है। भारत की हरित ऊर्जा यात्रा का समर्थन करता है। |
| 14. | ऑस्ट्रेलिया–कनाडा–भारत प्रौद्योगिकी | ऑस्ट्रेलिया–कनाडा–भारत प्रौद्योगिकी और नवाचार साझेदारी |

| क्र. सं. | शीर्षक | भारत को लाभ |
|---|---|---|
| | और नवाचार साझेदारी के तहत समझौता ज्ञापन | के तहत उभरती प्रौद्योगिकियों और नवाचार में त्रिपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने का लक्ष्य रखता है। |
| 15. | जियोसाइंस ऑस्ट्रेलिया और भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के बीच समझौता ज्ञापन | उन्नत अन्वेषण पद्धतियों को अपनाने का लक्ष्य रखता है। क्षमता निर्माण और कौशल विकास को बढ़ावा देता है। जीएसआई अवसंरचना के तकनीकी उन्नयन और आधुनिकीकरण को सक्षम बनाता है। |
| 16. | वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद और आईपी ऑस्ट्रेलिया के बीच पारंपरिक ज्ञान डिजिटल लाइब्रेरी पहुंच समझौता | आईपी ऑस्ट्रेलिया को भारतीय पारंपरिक ज्ञान डिजिटल लाइब्रेरी तक पहुंच प्रदान करता है। जैव–चोरी (बायो–पायरेसी) की रोकथाम को बढ़ावा देता है। |
| 17. | वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद और मेलबर्न विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन | दवा लक्ष्य पहचान की दिशा में सहयोगात्मक अनुसंधान कार्यक्रमों को बढ़ावा देता है। प्रशिक्षु कार्यक्रमों को सुगम बनाता है। संकाय (फैकल्टी) विनिमय कार्यक्रमों को बढ़ावा देता है। |
| 18. | सत्यजीत रे फिल्म और टेलीविजन संस्थान , कोलकाता का ग्रिफिथ फिल्म स्कूल, दक्षिण ब्रिसबेन, ऑस्ट्रेलिया के साथ समझौता ज्ञापन | संयुक्त शैक्षणिक गतिविधियों और कार्यशालाओं को सुगम बनाता है। सिनेमा और संबद्ध क्षेत्रों में संयुक्त परियोजनाओं के विकास को बढ़ावा देता है। अल्पकालिक कार्यशालाओं या समर स्कूलों पर सहयोग की सुविधा प्रदान करता है। |
| 19. | विक्टोरिया विश्वविद्यालय को स्वीकृति पत्र सौंपना | विक्टोरिया विश्वविद्यालय को जल्द ही संचालन और प्रवेश शुरू करने में सक्षम बनाता है। भारतीय छात्रों के लिए अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा लाता है। |

**च. न्यूजीलैंड: माननीय प्रधानमंत्री जी ने 10–11 जुलाई, 2026 तक न्यूजीलैंड का दौरा किया, जिससे द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर पर पहुंचाया गया। इस यात्रा के दौरान मुख्य परिणाम और संपन्न दस्तावेज निम्नलिखित हैं:**

| क्र. सं. | शीर्षक | भारत को लाभ |
|---|---|---|
| 1. | भारत के रक्षा मंत्रालय और न्यूजीलैंड रक्षा बल के बीच समुद्री सहयोग पर व्यवस्था पत्र | भारत–प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा सहयोग और पारस्परिकता (इंटरऑपरेबिलिटी) को मजबूत करता है। समुद्री डोमेन जागरूकता, संयुक्त अभ्यास, एचएडीआर और क्षमता निर्माण को बढ़ाता है। |
| 2. | भारत और न्यूजीलैंड के बीच जल सर्वेक्षण (हाइड्रोग्राफी) और समुद्री कार्टोग्राफी के मामलों में सहयोग से संबंधित कार्यान्वयन व्यवस्था | उच्च गुणवत्ता वाले हाइड्रोग्राफिक डेटा और नौवहन चार्ट की उपलब्धता में सुधार करता है। प्रशिक्षण और डेटा साझाकरण के माध्यम से तकनीकी क्षमता निर्माण को बढ़ावा देता है। जहाजों के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा बढ़ाने में सहयोग को बढ़ावा देता है। |
| 3. | भारतीय नौसेना और न्यूजीलैंड रक्षा बल के बीच पारस्परिक रसद सहायता के प्रावधान पर व्यवस्था | भारत–प्रशांत क्षेत्र में परिचालन पहुंच, पारस्परिकता और रक्षा सहयोग में सुधार करता है। |
| 4. | भारत और न्यूजीलैंड के बीच आतंकवाद विरोधी संयुक्त कार्य समूह की स्थापना पर व्यवस्था | आतंकवाद रोधी संवाद और खुफिया जानकारी के आदान–प्रदान को संस्थागत रूप देता है। आतंकवाद, हिंसक उग्रवाद और पारराष्ट्रीय खतरों के खिलाफ सहयोग को मजबूत करता है। |
| 5. | भारत के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और न्यूजीलैंड की राष्ट्रीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी के बीच सहयोग पत्र | आपदा की तैयारी, प्रतिक्रिया और लचीलेपन को मजबूत करता है। क्षमता निर्माण और ज्ञान साझाकरण को बढ़ाता है। |
| 6. | भारत के मत्स्य पालन, पशुपालन और | उत्पादकता, प्रौद्योगिकी अपनाने और सर्वोत्तम प्रथाओं के |

| क्र. सं. | शीर्षक | भारत को लाभ |
|---|---|---|
| | डेयरी मंत्रालय और न्यूजीलैंड के प्राथमिक उद्योग मंत्रालय के बीच पशुपालन और डेयरी के क्षेत्रों में सहयोग पत्र | आदान–प्रदान का समर्थन करता है। किसानों को लाभ पहुंचाने और खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सहयोग का लक्ष्य रखता है। |
| 7. | भारत के पर्यटन मंत्रालय और न्यूजीलैंड के व्यवसाय, नवाचार और रोजगार मंत्रालय के बीच पर्यटन के क्षेत्र में व्यवस्था पत्र | दोतरफा पर्यटन और लोगों से लोगों के आदान–प्रदान को बढ़ावा देता है। पर्यटन क्षेत्र में आर्थिक विकास और रोजगार का समर्थन करता है। |
| 8. | खेल पर भारत–न्यूजीलैंड संयुक्त कार्य योजना | रग्बी, नौकायन, एथलेटिक्स, गोल्फ, बाउल्स आदि जैसे प्राथमिकता वाले खेलों और एथलीट विकास में आदान–प्रदान को बढ़ावा देता है। खेल संस्थानों और लोगों के बीच संपर्कों को मजबूत करता है। |
| 9. | गुजरात के लोथल में राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर और न्यूजीलैंड मैरीटाइम म्यूनिसियम के बीच एनएमएचसी के विकास के लिए व्यवस्था पत्र | संग्रहालय सहयोग और ज्ञान के आदान–प्रदान, डिजाइन और रखरखाव की जानकारी को सुगम बनाता है। भारत की समुद्री विरासत और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देता है। |
| 10. | भारत के संस्कृति मंत्रालय और न्यूजीलैंड के संस्कृति और विरासत मंत्रालय के बीच सांस्कृतिक सहयोग पर व्यवस्था | आपसी समझ को गहरा करता है और लोगों से लोगों के संबंधों को बढ़ावा देता है। द्विपक्षीय सांस्कृतिक कूटनीति को मजबूत करता है। |

*****